आज मंगलवार है | by Mukesh Kumar

आज मंगलवार है
महावीर का वार है
ये सच्चा दरबार है
सच्चे मन से जो कोई ध्यावे
उसका बेडा पार है

चैत्र सदी पूनम मंगल का
जनम वीर ने पाया है
लाल लंगोट गदा हाथ में
सिर पर मुकुट सजाया है
शंकर का अवतार है
महावीर का वार है
ये सच्चा दरबार है
सच्चे मन से जो कोई ध्यावे
उसका बेडा पार है

ब्रह्मा जी के ब्रह्म ज्ञान का
बल भी तुमने पाया है
राम काज शिव शंकर ने
वानर का रूप ये धारया है
लीला अपरम्पार है
महावीर का वार है
ये सच्चा दरबार है
सच्चे मन से जो कोई ध्यावे
उसका बेडा पार है

बालापन में महावीर ने
हर दम ध्यान लगाया है
श्रम दिया ऋषियों ने तुमको
ब्रह्म ध्यान लगाया है
रामा रामाधार है
महावीर का वार है
ये सच्चा दरबार है
सच्चे मन से जो कोई ध्यावे
उसका बेडा पार है

राम जनम हुआ अयोध्या में
कैसा नाच नचाया है
कहा राम ने लक्ष्मण से ये
वानर मन को भाया है
राम चरण से प्यार है
महावीर का वार है
ये सच्चा दरबार है
सच्चे मन से जो कोई ध्यावे
उसका बेडा पार है

पंचवटी में माता को

जब रावण लेकर आया है
लंका में जाकर तुमने
माता का पता लगाया है
अक्षय को मार है
महावीर का वार है
ये सच्चा दरबार है
सच्चे मन से जो कोई ध्यावे
उसका बेडा पार है

मेघनाथ ने ब्रह्मपाश में
तुमको आन बसाया है
ब्रह्मपाश में फँस करके
ब्रह्मा का मान बढ़ाया है
बजरंगी बाकी मार है
महावीर का वार है
ये सच्चा दरबार है
सच्चे मन से जो कोई ध्यावे
उसका बेडा पार है

लंका जलाई आपने जब
रावण भी घबराया है
श्री राम लखन को आन कर
माँ का संदेसा सुनाया है
सीता शोक अपार है
महावीर का वार है
ये सच्चा दरबार है
सच्चे मन से जो कोई ध्यावे
उसका बेडा पार है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%86%e0%a4%9c-%e0%a4%ae%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a4%b2%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by-mukesh-kumar/